

Monday

Vijay Kumar Jha
 Deptt in History
 V.S.T College Raigarh
 Degree part III
 Paper - VI th

Permanent Settlement introduced
 by Lord Cornwallis.

ब्रिटीश शासन काल से पूर्व भारत में जंग परंपरागत ग्रामीण-
 स्था कायम थी, उसमें ग्राम पर तो किसानों का अधिकार था किंतु
 सरकार को फसल का एक भाग मिल जाता था। 1765 ई० में इस्ट
 इण्डिया कंपनी को बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा की दिवानी प्राप्त हुई।
 1771 ई० तक इस्ट इण्डिया कंपनी ने भारत में प्रचलित प्राचीन ग्राम-
 राजस्व व्यवस्था ही कायम रखा किंतु ग्राम कर को दर नकादगी
 ग्राम कर विधियों के माध्यम से नष्ट करने कि प्रयास कनाईव ने
 चलाया जिसमें नष्ट होने वाले कर के 10 प्रतिशत इन विधियों को
 मिला था।

1772 ई० में वारेन हेस्टिंग्स ने एक नई ग्राम राजस्व प्रथा
 लागू किया जिसे इजोरदारी के नाम से जाना जाता है। यह प्रथा
 देका पर पांच वर्षों के लिए ग्राम दिया जाता था किंतु ये व्यवस्था
 सफल नहीं हुई। अमेनी-करोमि इस व्यवस्था में शामिल नहीं
 कोई निश्चितता नहीं थी। इन्वार जमींदार ग्राम पर आनीद्वारा
 स्वामित्व के कारण उपज पर ध्यान नहीं देते थे। कर्नल कॉर्नवालिस
 गवर्नर जनरल के पद पर जब बैठे तो उसने किसानों की दुर्दशा
 देखकर अचिन्त हुआ लम्बे विचार विमर्शोपक्रम उसके दिमाग
 में Control कि खींच लेकर 22 मार्च 1793 ई० में बंगाल
 बिहार, उड़ीसा में स्थायी ग्राम व्यवस्था लागू किया। इस व्यवस्था
 में जमींदारों को अंश के लिये ग्राम का मासिक बकाया देना पड़ा
 और स्थायी तौर पर ग्राम कर तय कर दिया गया। जमींदारों
 को स्वामित्व भी इस्तराफ़ीम बना दिया गया। कर चुकाने के बाद

जो लोग जमींदारों को शेष रह जाता था उन्हें जमींदारों को खरीदने का अधिकार दे दिया गया था। जमींदारों को खरीदने का अधिकार दे दिया गया था। जमींदारों को खरीदने का अधिकार दे दिया गया था।

- 1) जमीन का अधिकार बहाल किया। जमीन के इस अधिकार को बहाल करने का काम जमींदारों को दिया और जमीन के मालिक बन गये।
- 2) इस व्यवस्था सरकार और जमींदारों के प्रतिबंधों को हटाने का प्रयत्न की गयी।
- 3) श्यामी जमीन प्रकल्प से जमीन को निरक्षित कर दी गई जिससे जमींदारों का अधिकार बहाल होने लगा।
- 4) सरकार को निरक्षक जो शायद अधिकार बहाल और बढ़ती में व्यवस्था बहाल प्रशासनिक कार्यों में लगाने लगा।
- 5) जमीन श्यामी व्यवस्था से जमीन के मालिक अधिक अधिक उपलब्ध होने लगे जिससे जमीन के अधिकार बहाल होने लगा।
- 6) श्यामी व्यवस्था के कारण बंगाल में अंग्रेजी सरकार के अधिकार बहाल हो गया और जमींदार अंग्रेजों के अधिकार बहाल करने में सक्षम हो गए। 1857 ई. के विद्रोह में जमींदार अंग्रेजों के अधिकार बहाल करने में सक्षम हो गए। जमींदारों के अधिकार बहाल करने में सक्षम हो गए।

श्यामी व्यवस्था व्यवस्था जिस तरह व्यवस्था में लगा दिया कि जमींदारों के अधिकार बहाल करने में सक्षम हो गए। जमींदारों के अधिकार बहाल करने में सक्षम हो गए। जमींदारों के अधिकार बहाल करने में सक्षम हो गए।

FEBRUARY 2019						
Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su
				1	2	
4	5	6	7	8	9	
11	12	13	14	15	16	
18	19	20	21	22	23	
25	26	27	28			

Wednesday

9 तबिक भी ध्यान नहीं रखा गया उन्हें पूर्ण रूप से जमींदारों के दबा
पर छोड़ दिया गया। जमींदार उन पर अनेक अन्याय अत्याचार
10 करते रहे और किसान दबा के पात्र बन कर रह गये।
स्थायी व्यवस्था के द्वारा राज्य के भावी हितों
11 कि उपेक्षा कीया गया। भूमि से प्राप्त होने वाले आय में तो
कटौती हुई। किंतु आय में वृद्धि से सरकार को कोई फायदा
12 नहीं हुआ।

समय के साथ-साथ सरकार के व्यय में भी
1 बृद्धि हुई किंतु जमींदार से निश्चित कर से आजीव नहीं लिया
जा सकता था। अतः जमींदार से होने वाले व्यय कि
2 पूर्ति सरकार कोई नीतिगत कर लगा कर करते थे अतः
जमींदार कि लाभ के लिए अन्य लोग करों के भार से
3 दब जाते थे जो पूर्णतया अन्याय था।

समय व्यतीत होने पर बंगाल सरकार के लिये
4 एक व्यय का प्रांत बन गया। बंगाल के अन्य व्यक्तियों पर
लगा कर अगर व्यय पुरा नहीं हुआ तो सरकार अन्य
5 प्रांत पर भी भारी कर लगाये।

अतः कार्नेवालिस का स्थायी व्यवस्था
6 गुण खे दोषों का समीक्षण था। इसमें जमींदारों
का ही कल्याण हुआ कृषकों के। इन्होंने कि रक्षा नहीं
7 हा सका। इस व्यवस्था से जमींदारों कि आंशिक रक्षा हुई।
कृषकों कि रक्षा स्वयंसे कर दी गई तथा राज्य कि रक्षा
तो स्थायी रूप से स्वयंसे कर दी गई। अतः कार्नेवालिस
कि यह स्थायी भूमि व्यवस्था भारतीय जमींदारों
कि एक सुधार कि एक प्रक्रिया थी फलतः यह एक महत्व
प्रयोगिक सुधार ही बनकर रह गया।